

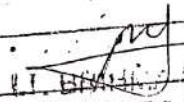
Workshop  
2021-22


2

आवश्यक सुचना

25.11.21

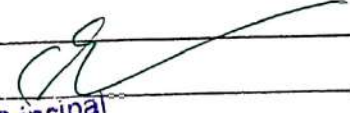
सभी एन सी सी मैट्रिक्स को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26.11.2021 को दोपहर 2-3 बजे व्यायामशाला में इन्सीटू - फसल; अवशेष प्रबंधन एवं भारतीय संविधान पत्रिका में उपलब्ध में लेखनी का आयोजन किया जायेगा।  
अतः सभी मैट्रिक्स को उक्त कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना है।

  
H. BHANU SINGH  
6/4 UP NOO COY  
JG. BAKWAR

  
Principal  
Janta College  
Bakwar (Etawah)

रिपोर्ट / निवेदन

आज दिनांक 26.11.2021 को जन्ता कॉलेज गैबवर  
इलाका में भारतीय संविधान दिवस के अवसर  
पर कॉलेज NCC एवं NSS इकाई द्वारा एक  
गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही  
कृषि विज्ञान केन्द्र इलाका के समुक्त तत्वाधान  
से इन सीडू फसल विशेष पुनर्दान विषय पर  
एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आज  
के इस कार्यक्रम को सहायता कॉलेज  
प्राचार्य डा. रजिश मिश्रा द्वारा श्री  
चन्द्रशेखर माजा कृषि एवं आधुनिक वि. वि. गानपुर,  
कृषि विज्ञान केन्द्र इलाका के कृषि वैज्ञानिक डा.  
गुणजय गुहा लिट एवं डा. निजम बहादुर जाधव  
जो इन सीडू फसल विशेष पुनर्दान पर  
दार्शनिक-दार्शनिकों को निरूत जानकर सफल  
कार्यक्रम का सफल संचालन एवं ही जे. मिश्रा  
द्वारा किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के  
समस्त प्राध्यापक एवं विभिन्न कर्मचारी  
उपस्थित रहे। अंत में सभी को भारतीय  
संविधान के साथ विचार दिए।

  
Principal  
Janta College  
Bakewar (Etawah)

हिन्दी दैनिक अमर उजाला में प्रकाशित स्वर —

## फसल अवशेष प्रबंधन पर छात्रों को किया गया जागरूक

बकेवर। जनता कालेज, बकेवर, में कृषि विज्ञान केन्द्र इटावा के तत्वावधान में एक दिवसीय कालेज स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर मोबलाइजेशन एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा डा० मृत्यंजय कुमार सिंह एवं डॉ० विजय बहादुर जायसवाल के दिशा निदर्शन जनता कालेज, बकेवर, इटावा के प्राचार्य द्वारा कालेज स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर छात्र जागरूकता

अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

डॉ० विजय बहादुर जायसवाल वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा बताया गया कि 1 टन पराली को खेत में मिलाने पर 5.5 किलोग्राम नत्रजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटैश, 1.2 किलोग्राम गंधक के अलावा आवश्यक मात्रा में सूक्ष्म पोषक तत्व सूक्ष्मजीव होते हैं जो खेत की उर्वरता शक्ति को बढ़ाने में काम आते हैं। प्राचार्य डा० राजेश किशोर त्रिपाठी

ने बताया कि एक टन पराली में आग लगाने से तीन किलोग्राम सूक्ष्म कणों के भाग, 60 किलोग्राम कार्बन मोनोऑक्साइड गैस, 1460 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड गैस, 199 किलोग्राम राख, 2 किलोग्राम सल्फर डाइऑक्साइड गैस अलावा विभिन्न तरह का प्रदूषण होता है जो हमारे शरीर में आंखों में फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है, तथा वेस्ट डी कंपोजर का प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी तथा पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। उपरोक्त

विशयान्तर्गत इस कार्यक्रम में कालेज में वाद विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता तथा निबन्ध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागियों कॉलेज प्राचार्य डॉ० राजेश त्रिपाठी के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य भूमिका निभाई, डॉ० डीजे मिश्रा, डॉ० एमपी यादव, डॉ० एके पाण्डेय, डॉ० मनोज यादव तथा डॉ० विनोद कुमार सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० डीजे मिश्रा ने किया।

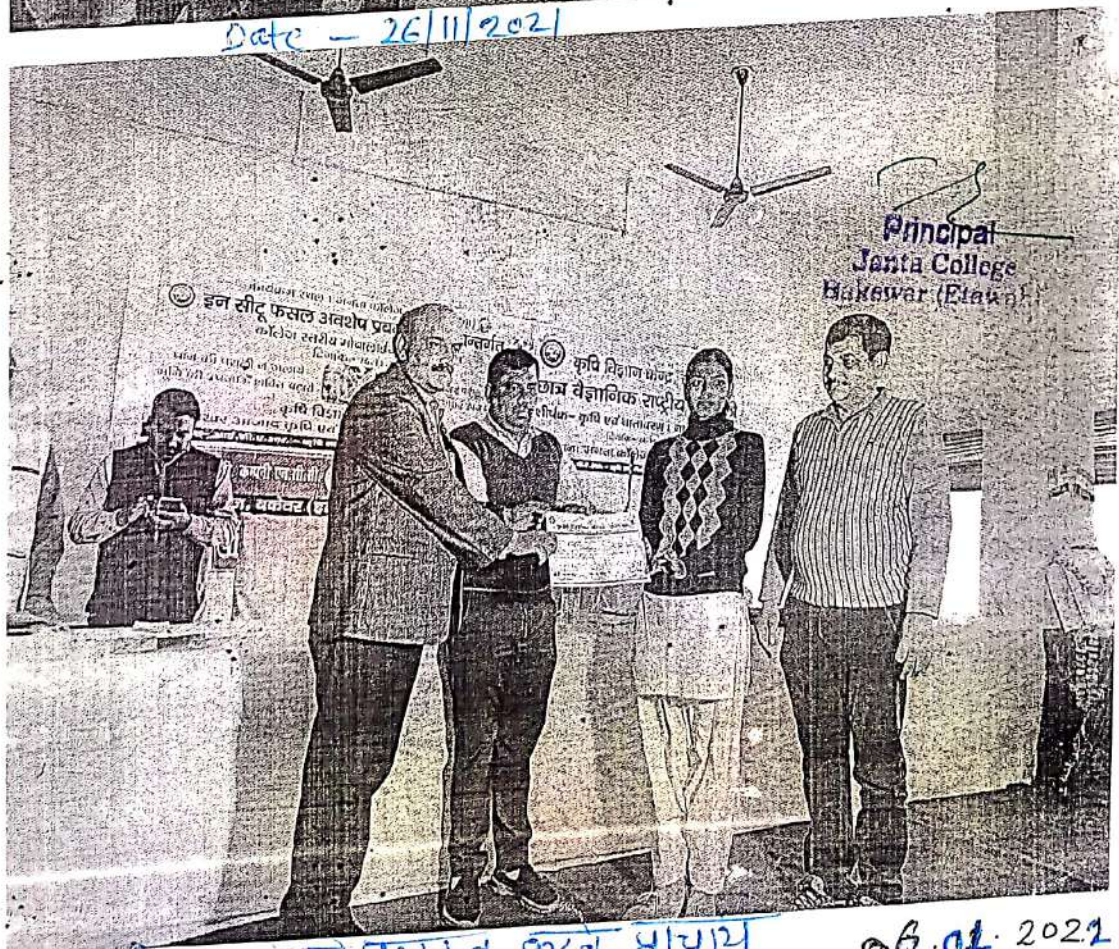
Principal  
Janta College  
Bakewar (Etawah)

दिनांक : 27/11/2021

कि. भारतीय संविधान दिवस एवं इनसीडू फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना



Date - 26/11/2021



विजेता छात्रा को पुरस्कार करते प्राचार्य

26.01.2021